

1541

... ..

[illegible]

अमरुत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वसिष्ठं च

ASHLEY RIVER

221

कश्चायत्तवयि सुत्र ॥ शक्तिः त्रिविदत्रवा त्रवयि सुत्र ॥
 १ ॥ वनं रुयस्वर्गं तय वनं तं ह सु म तं य वनं स्वर्गं
 ॥ शक्तिः धनय विद्या न वनं स्वर्गं ॥ २ ॥ भुवर्ग किं थ
 त्रिया म ह त्र म न क ह त्रिया त्रि वि त्र हा ॥ शक्तिः छा
 त्र इ उ म त्रि वि त्र ॥ ३ ॥ त्रिषी दून त्र अ शक्ति मूष

दून वी लय मा त्र हा ॥ शक्तिः ना त्र दू मा त्रि ना त्र हा ॥
 ४ ॥ म म त्र म हा द त्र ह त्र थ म द्या य नी शक्ति नूय
 ॥ कि कू क ह य न शानू शक्ति नूय ॥ ५ ॥ ह न य वि द्या
 पति सु नि ह म द्या य नि शक्ति नहि ॥ थ क वी ह व न्याः
 ना थ शक्ति नहि ॥ ६ ॥ ॥ १ ना ग ॥ मा त्र द्या ॥ ची ॥ वि

शक्ति क ठ उ टा ॥

सीताग्री ॥ पूर्वी गाम्बूकनरुलसहा भनूनागी ॥ २ ॥
 चन्दनतिलककथलः आह उत्ररुनियति ॥ नैश्वनशु
 चत्रमायिहक उरुगशानि ॥ ३ ॥ मागिचाहिल्लसि
 वः आह दम्बवजायी ॥ सिवका हो रुनमायिहः ध
 रुत्रमंशायि ॥ ४ ॥ हारमालाद्यक्कायी (थः) आहय

ननीनधंधा ॥ वे. ३ नैनाषायमायीहवाद्यक्कालाव
 धा ॥ ५ ॥ रुनयुविआयतिः आह रुगरुगसुआ ॥ च
 रुनदहीयतिवैक्कनाथदवा ॥ ६ ॥ ॥ १ नाग ॥ मात
 वा ॥ ७ ॥ रुआगोहशामीया (गे) त्रिविहातत्रवरा
 निदउ ॥ शगिसिन्दुनवदूतनानिदउ ॥ १ ॥ हमाः

नाह्यसम्भृष्टिन्दुननउययवीहृति॥ साधु
हायतर्वहालविहृति॥ २॥ नवनाहशगियालोत्रिव
हातुनवनानिदउ॥ शगिगहनावदूतनानिदउ
॥ ३॥ हमानाहादसम्भृष्टगहनानउययनूदमा
ला॥ सासुहायतर्वहालनूदमाला॥ ४॥ नवनाह

शगियालोत्रिवहातुनवनानिदउ॥ शगियान
नवदूतनानिदउ॥ ५॥ हमानाहादसम्भृष्टयातन
नउययवाद्यच्छाला॥ सासुहायतर्वहालवाद्यच्छा
ला॥ ६॥ नवनाहशगियालोत्रिवहातुनवनानिद
उ॥ शगिवाजनावनानिदउ॥ ७॥ हमानाहादस

देवताकाशिका

ॐ शु वा न नान उ प ऊ य द म्ब नू ॥ सा सु हा य त र्व हा ल
द म्ब नू ॥ १ ॥ ह न य वि द्या य नि शु नि ह म द्या य नि शः
गि न हि ॥ थि क णि हू वं न्या ना थ शो गि न हि ॥ २ ॥ ॐ ॥
१ नाम ॥ मा लू ॐ ॥ श्री ॥ उ मं ता मा हा दे व स वं ना हं
ला ॥ क न दू ष स ह व च य स हि ग्य ला ॥ वा घ क्का ला ॐ ध

कटुआलासादिना

न मि ग क्का ना र्धा नि ॥ नू गं न भ्रा ग न्य नू या य उ ग हा थ
॥ १ ॥ वा घ क्का ला दू ध नाः सि री रू ता धा त्रि ॥ व स ह च ध न
मि व दं म्ब नू व ज्ञा यि ॥ २ ॥ ह न य वि द्या य नि उ मं त नः
सं वा ॥ च न्द न द ह सि व र्धे क्क ना थ दे वा ॥ ३ ॥ ॐ ॥
१ नाम ॥ गु द न ॥ श्री ॥ क न य ग ला सि व क न य ग ला

उमन्नात्रभात्रकनयलगत्रा ॥ यदउतवंगभाहिउमंत
दत्ता ॥ हांगनहिवतुआत्रसीवसुत्रा ॥ हत्रिखकिआनिध
शहासिउथत्रा ॥ १ ॥ हांगचयाआसुहंगिशत्रा ॥ दिनय
कवसुहावधायकचत्रा ॥ २ ॥ यकहाथदम्वत्रुथासुत्र
हाथविश्रुत्र ॥ खरुं नहित्रधतुत्रकेरुत्र ॥ ३ ॥

ताहमिबहित्रहत्रनिवित्रा ॥ गद्यक्कालामिजिकीः
खायत्रसिया ॥ ४ ॥ यकहाथदम्वत्रुथासुत्रहाथनात
॥ लोत्रानाचयतुगवनात्र ॥ ५ ॥ लोत्रनिनत्रयिहत्रउम
त्रिसायि ॥ किस्तानिवियहिदत्ताद्रुनिवायमायि ॥ ६ ॥ आ
भरुनिनंमिवत्रुमलि ॥ वत्रिमयहांगवआत्रयनि ॥ ७ ॥

कनकनवदनमाहि॥

कि कनकनमायिवाय कि कनकनथला ॥ कि कनानिवियहि
दलीरुनिवायमायि ॥ ८ ॥ चंदनकअवधिनगहमस
ना ॥ कनहियावनि लागधतुना ॥ ९ ॥ हनुयविद्यापति
मिवउमत्रिना ॥ नयाअनगतपतिनयाअहलना ॥ १० ॥
११ ॥ मातुअ ॥ १२ ॥ कननवदनमाहिदमिमदः

ना ॥ हननहिवात्रामयिरुवतिरुना ॥ १३ ॥ चादननित्रकभा
नानहि ॥ १४ ॥ ललानेपावकनहिसिन्दुत्रकशेता
॥ १५ ॥ नहिभात्ररुयालनवि ॥ १६ ॥ नकवनि ॥ सित्रसुत्रसुत्रीनहि
कममकसुनी ॥ १७ ॥ विहतिहृषननहिचादनकन ॥ १८ ॥ वा
घच्छालानहिभात्रानेनवसे ॥ १९ ॥ कलनहिकालक

ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

तः मृगमदचानू ॥ रुनियतिनहिभाता मरू ताकहा
र ॥ ४ ॥ हनयविद्यायति सुनदव काम ॥ चकदो सुभूः
कभा न नमयय वा मा ॥ ५ ॥ १ नाग ॥ रुयश्री ॥ ग
हृन ॥ हो नाहनसिवसंकनदव ॥ हो हचिनयनहिपा ॥
नर्क ॥ ४ ॥ हो नाहनसिवसंकननंग ॥ चउदिगहनवताग

ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

संग ॥ ४ ॥ हाथगदासिवयनिखनंग ॥ हिनभुतसहिवह
लोत्री नूधंग ॥ ४ ॥ हिभू नदमनूधविनिहाथ ॥ चन्द्रचः
चाकमकचामकमाया ॥ ४ ॥ हनयविद्यायतिमंगलगा ॥ अ
य ॥ नन्यगदिगसंगतिहा ॥ ५ ॥ १ नाग ॥ रु
यश्री ॥ ५ ॥ ननतय ननू मूयः कनमसिनहः मनुनाः

चि

मकिनाम ॥ मनसा हं मनययकिनामकिनामंसा हं मन
४॥ हिमस्यनभ्रप्ररूनः पांथं अन् अतात ॥ अहिविधिव
नि (ग) शो सुक न संसा ४॥ दसमय तों अं मसुक ना अनहं
ना नं का पाकां चं न के न या (ग) ॥ कर्न त्यागि व सि त्यागा
त्यागी ह त्रिचन्दः दिनदस त्रि वयनक न रं जाल ४॥ न सि

न त्रि त्रि सि वाध न पानः ॥ त्रि च न वा शो हिन ॥ रुमः
खषायि शो अत्र पानः ॥ मुख उका न उत हि भ्रान ४॥
कतयकं न किमिनि कतयक यूताः कां (ग) नि च्छु नि (ग) शो
हयि (ग) शो हत ॥ लयि सु अ भ्र हो द भ्र ग हून भ्रा यः
मनन का हे शो हे वं ता न ति चं धा अ ४॥ चा (ग) नि च निः

यामयवानपुःवनतन्नि.वनशानियाज्ञाय॥हनयवि
घायनिःयहानसुज्ञान्यचिंतयुयतकानियावेदःज्ञा
य॥॥॥॥ १नाग॥ जयश्री ॥ श्री ॥ जय जय संकः
नजयप्रियनान्य॥ जयश्रीपूत्रषजयश्रीपूत्रः
॥१॥ श्रीधधजलवलश्रीपूत्रि॥ श्रीधवाद्यच्छाला

आधाय तु ना ॥ २ ॥ आध च ननु न्य ह आध यी लो नाः
॥ आध सिन्धू त्र विष् आधा वी ह नि ॥ ३ ॥ एन य विद्या प
तिय हा त स ज्ञान्य ॥ इय न नू भी नी रु त य न प तान्य ॥ ४ ॥
१ राग ॥ व ना ति ॥ यु ॥ वृ धा यि क उ न वृ जा यिः ह मा यि ॥
रु क न ए न न य त प ति रु नः सु के सु वे सु ग मा अ ॥ ५ ॥

नद्यनसंवन्नय धि न्वन्नमिन्नर्थचउधप्र॥ सुकनसं
पनि मयुखा जि न्नयनपाअ नरसमआत्रि॥ २॥ येनयतः
कनगमनचतकनपाखनहे हनल्लसि ॥ यकदिनं हव
सहनपाअनः मासमा लउपवास्य ॥ ३॥ वासूकि किअन
पहनपीअलः हनजिउपविस्वसायि ॥ सुअकम्भमिद

कहनमित्तहमात्रिकउनउपाय ॥ ४॥ मायिनभचल
वायनश्वारुलः श्वारुलयेवभयन ॥ विधितल्लसत्रमितन
पाअनः माकियमानहमाना ॥ ५॥ हनविद्यायनिसूनया
नवनिः स्वामिकनावीलमंदा ॥ अहमहभयनरुगतल्ल
भयनल्लगुनिमगुनिताना ॥ हमायि ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥

२॥ मा ॥ वि ॥ द ॥ ध ॥ न ॥ अ ॥ य ॥

१॥ नाग ॥ वलानि ॥ श्री ॥ मायि हृद खल जायी ॥ हमागिः
त्रिज्ञा हनरुत नैरुमायि ४॥ हनर्वे तालयय होय त्रिअत्री
॥ कउनैयू छि कनव विधि वैवहारी ॥ ४॥ वि नै मध्वया उः
लहसुम कभात्रि ॥ कि न्यग मा अति पूर्ने मति लोत्रि ४॥ ता
तपितामहिनामनरुत ॥ कउनैयू छि कनव कन्या दहा

१॥ द ॥ ध ॥ न ॥ अ ॥ य ॥

दान ४॥ हनका लुषन रूय किमाला ॥ वाहान वसह सुय
नवाय छाता ४॥ हनय विद्याय निरु विनय वानि ॥ चन्द्रक
ताद विरुत्रि लवानि ४॥ ५॥ १॥ नाग ॥ वलानि ॥ ॥ ना
हे ना नसि क. कादू हभन विनात्रि ॥ ना हा त्रि नानि त्रि निस
ह नै नपात्रि ४॥ हाथन धन हकादू काय निवभात्रा ॥ पू

२ चन्द्रकोटिनामि ॥

नकयूतनननकप्रियकीना ४॥ घामनसहेननकाङ्कः
तुवहयनागी ॥ जीवभावाउवननयूवकलगी ४॥ हन
यविद्यायनिकाङ्कनसमनिया ॥ खनैवखनैवावदत्रमिवि
इमिया ॥ ॥ ॥ ॥ १ नाग ॥ वनात्री ॥ ५ ॥ चन्द्रकाहाउगः
सिःतीहनहनहृहवदनभभी ॥ नहिनुवविम्यावस्य

२ विष्णुसुतनामि ॥

त्रिमत्र ॥ आननसउतहेहमनयत्रयि ४॥ नृधनसूधन
सकृमत्रमनभ ॥ नहिकसूधनिधिवीनवीहमत्र ४॥ न
वनुवनुलनामूषसमही ॥ आनकलंकनृवज्जवधः
यि ४॥ हनयविद्यायनिसूनहससाङ्क ॥ तीहनिकलंक
वङ्ककलंक ४॥ ॥ ॥ ॥ १ नाग ॥ धनाश्री ॥ ५ ॥ विदसुन

१०५ श्रीगणेशाय नमः

ह न पि या च्छा यि ॥ की उन क ह य वू जा यि ४ ॥ द कि न य वः
न व ह म न्दा ॥ आ हा व स दा नून च न्दा ४ ॥ पि या भा न नि न द य
हा ना ॥ ह म द्र वि ऋ हि नं जि (ग ना ४ ॥ वि द्या य नि ह नं ह नं ॥
त य मि नू पि या गु न मा नं ॥ ५ ॥ १ ना ग ॥ को ला ७ ॥ ५ ॥
आ व न भा न मू ना निः सा रु नि ॥ अ क हि ना च्छ न मि न रु ना

आ कः दू रू क य क य ना नं ॥ इ ति क व च न का न स मा य तः दि
न दि न ह न आ य ॥ ५ ॥ अ क हि स रु स ह स ह आ रु न ता स न ह
म न सि गं ॥ व च न मा न ल य न दू नं त नः च न्द व का ल स थि तं ४ ॥
नि न सि वा दि यः नं रि न ना ७ ॥ रु त्रि न क न त य च्छा यि ॥ गु
न नू य गु न न क उ न वू ज लः न क न य न थ ना नि ४ ॥ ह न यी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विद्यायनि सू न मा हा कूतः ना क नू चं च ल चितं ॥ कृति नि वः
च न उ अ न उ अ न ग हः आ कू ल ना हा य हि त ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
१ ना ग ॥ का मा उ ॥ ५ ॥ सं सा ल म सा न म य हि त्रि आ उ ॥ र स म
आ रू रू ल या उ ॥ य हा क का ति कि द रू आ च्छः न क न सं य नि
कू व य आ पा च्छ ॥ सं य नि रू क त्रि य ह त्रि स क ल सं य नि रू स

प्रभात्रिः हाता ना ला रु छु ल मा निः कि नो न व थ य थ व न स
थि ॥ वा थ ना ह ना लो ना नो रु क द नः द व लो क का को रु क
ह न ॥ व दाय क रु द न द्धि ल म राः को वा द खि य दान नि धान
लो या य क रु द न द्धि कानिः दू ध (ध) रू य नि च्छ क्क पानि ॥ कि
ह त्रि उ ग ति य ने ह न भा नः भा दू उ ग त व मू रू क दान ॥ कानि

१॥ मातिरुत्रिशाहि ॥

माचनरीकी हाय भाग्डरुयि पूता गन यति शाः
य ॥ ३ ॥ लयि सिव शा न हा थः व क सि य कूनी नी भूमि नः
प ॥ ४ ॥ लन य वि द्या यति संक न वा निः य न सु न हो व ना ह द वि
लवा ॥ ५ ॥ १ नाग ॥ भा भ व त्रि ॥ ३ ॥ मा ति रु त्रि शाः
हि ह ॥ ४ ॥ न न वानी ॥ सु गि व पू र भे कि च्छ रू ल पा नि ४ ॥

भा क ध तु न रू ल गि व नान न शा हि ॥ ३ ॥ ग त रू न मि द न च्छाः
द न भा हि ४ ॥ ल्य म दू न पा नि न रू ति भा न दा स ॥ स्य स ब्य क
य ल गि व ना ह न रु श्री स ४ ॥ रू म किं क न भा हि कि क न त न
ग ॥ ह न भा य ना धि व लि या सं ग ४ ॥ ल न य वि द्या य ति ल
च ल य नू ॥ भ क न का ल गि व वि सु त्रि य रू न ॥ ५ ॥ ६ ॥

[illegible]

निकरुदवलसिधे ॥ १ ॥ ग्राहिजायि नालनअत्रमप्राः

न्य ॥ स्थिता गिर्या हस्तत्रय (गहत्रा न्य ॥ २ ॥ मन भा प्रसा अ

नचउदिगधालय ॥ मूनच्छिषसथि।नेत्रिक।विपचूना

ॐ ॥ ३ ॥ हनय विद्या पत्रि सुनिर्दे ॥ ३ ॥ अं न हि ॥ ३ ॥

५३॥५३॥

वीरं नूनं दहन्तान् ॥ विहि न दह विधाता न्याधिनः नीत्रभात्र
 कयनान् ॥ विहि नित्रमान के सु दिन वनः हम नी हनी ह हम
 गाः वे सु न प्रिति वचन विद्यता वहः इति नून वीत्र नृलगा ॥ सा
 कन नृध दूध पत्रि पूत्रनः सिचय नृमिय क सात्रः अह वदन
 नीत्रयहन कन मभात्रः वत्रि सुय वात्र क धात्र कोप के यि

यवत्र यत्र नि निहात्रहः वत्र कि च्छ वीत्र हम न्याः नीत्र वदन
 सुन नीत्र न वदन हायिहः नृमियन वत्रि सुय च न्या ॥ ह नय
 विद्याय नि नृन वत्र जीवतिः नृथू नृन न वमानः नात्राः
 सि वसिंह नृय ना नी नाय नः नृच्छि मा द वित्रमान ॥ ५८ ॥ ४
 १ नात्र ॥ विलास ॥ ३ ॥ मा मीत्र वन वसि के सु न न य सिया

मा मीत्र वन वसि ॥

॥ भागमूद विदुः सिद्धिया ॥ १ ॥ छात्र छात्र हन हसमल
 पितृ हिस हनंग हसन ॥ यहि न धन न रूलः वसह
 च धः धः सी सुवउ न न चना ॥ २ ॥ कहि नि कहय हनः
 व हन हनः विनव क नाय जनन ॥ अव न ना ग न
 ग नः द खि न नाय समना ॥ ३ ॥ सुव दू क मा नि

१ ना ऊ न मान ह ॥

मधुः का दू के न कि चू कहः भा सा ना ग न माय ॥ न दू न दू ग स
 नः का न ना गि य कहयः भा के वी ला ना ह नाया ॥ ४ ॥ हन य
 विद्यायति लो अ त्रि वि क न मतिः अ ह दि ग व न वास ॥ अ त्रि ह
 व न पतिः सुव का अ ह गतिः दू नि त दू पू न त आ सा ॥ ५ ॥ ४ ॥
 १ ना ग ॥ के दाना ॥ ५ ॥ भि वः ना न न मान ह ना ह मा हा द

वः आ धा ध्व हा गी त्री (गे त्री) ॥ आ धा भूं म्व त्र सं ह्र वि ना त्रि
 न व स त्रि ह त्र नि ध्व त्रि ॥ १ ॥ शि वः ना रु न जा यि नि म य न जा
 न त्र ना रु (ध धी) क ही या ॥ इ रू कू ना व धू ना रु न जा य तः इ
 रू क नि त्र रु यि या ॥ २ ॥ वै सि मू सा न ध्व न ध त्रि ध त्रीः क तः
 धी ना अ य जा गी ॥ त म न म द न जा त्रि न दा अ नः ॥ स्व न य

द म हा गी ॥ ३ ॥ ग ह भू ना त्री रु न ग न क य त रू कू त्र स व
 क चि त्र ॥ का रू क चा त्रि त्र रु ग न वि दि त्र अ क ल जा ति श्र
 हि त्र ॥ ४ ॥ ए न यी वि द्या ष तिः सि व क स्य अ क चा त्र व द
 कि य क् ॥ इ म ल त्र य रु त्वा ह न र्वे द रू य ह वि व क् ॥ ५ ॥
 १ ना ग ॥ (गे त्रि) ॥ श्री ॥ व न्द हं शि व नु अ च त्र नं ॥ रु ता रु त

एवमस्तु शिवम् ॥

सितगंगविनाशित ॥ रुनिउयविन्दति तस्वसुसितं ॥ १ ॥ पंच
वदनतुआवितुतिविलपित ॥ नयनाननववक्त्रवृषमसुत्रं
॥ २ ॥ पत्रिकुनहनश्रीगीनीसुवसुगत ॥ दिगयंवतधनदः
मन्धनं ॥ ३ ॥ विद्यापतिश्च अकसुत्रनागत ॥ दधुतल
यवनः लयहननं ॥ ४ ॥ १०॥ मातुआ ॥ ची ॥ नहिम

ननहिषननहि नवकास ॥ चात्रियहननाग्रिहमभात्रवि
त ॥ १ ॥ पहित्रियहननाग्रि, नहसुदिग्यना ॥ हसुप्रयहनप
त्रिकुननित्रग्यना ॥ २ ॥ गुरुनिदनित्रयनः हनियविनाश
॥ तस्वर्गउगतवाद्यनमकूनि ॥ ३ ॥ कत्रशत्रिययाद्यत्रिः
कहयविनति ॥ विसुत्रिनहनवपूत्रयित्रनि ॥ ४ ॥ हनयविः

सुप्रवृत्तानि मया॥

द्यापनिःसुनवत्रजानि ॥ धयि त्रकय तहः मि तत विनति ॥ १॥
१ नाग ॥ सो त्रि ॥ ॥ सुप्रवृत्तानि मया शायि त्रि दूपास ॥ न
वयि तं नवयि त्रि दूपासि तं वदनाशः वद नून नाणयय
सुप्रवृत्त धायि सुति तह नयिया दिय वदायि ॥ अच त्र ह्यः
धनि शायि गन दनाः रुहा कल रुगयि तं स्थ हा निद ग्यत्रा ॥

१॥ निमा जु क अरु ॥

हनन हन म शिवन हन रुगयिः कक त उ रुन हा प्ररुगः
मात्र ॥ हनय विद्यापनि सुनवत्रजानी ॥ धे त्रकय ल दू मिः
लन मूनात्रि ॥ ५॥ १ नाग ॥ मालव ॥ ५॥ शायि याय कत्र
न हन द वात्र थात्र हा ॥ कउन नूप क उन ह सका हा चत्रि
शाय हा ॥ १॥ लो हा के द ना हा थ उय त निको ना हा ॥ वा सुकि

वसुनिवशायः सुवदन्निर्नाहा ॥ २ ॥ गन्त्रन्त्युकिमात्ताव
 धंवनउधहा ॥ नृगवि। हनिविनाः नागलयतायहा ॥ ३ ॥
 ॥ वदवदल्लियाहा (ध) दोल हनिग (ध) हा ॥ (मे) नतनद
 यकसाथः कनंधनिवा (ध) हा ॥ ४ ॥ रूतललउकमिनिनुकः
 निव हनि लि न्यहा ॥ ससकसललयतायः सित्रलयतायहा
 नि

॥ ५ ॥ हनयविद्यायनिग अयदमयदपायहा ॥ धंन्यहवाः
 निकल (ग) न्नायहनन्नायहा ॥ ६ ॥ १नाग ॥ गुरुनि ॥ ३ ॥
 माधअकम अमदनमूयात्रि ॥ कदवकाकललसम्भतिनी
 ॥ निलयनिविहालनादि ॥ ४ ॥ रूमनाकातीनतीनहननमनः
 नवन ॥ म्भसित्रीहिजाअयसा ॥ ४ ॥ रूमनाकानिप्रतिउन्म

१२॥ धनवदन्

७० विष्णुसिद्धिः ॥

नक्षत्रेनभात्रा ॥ काङ्क गच्छय पथत्रवसा ॥ ४ ॥ हनयिः
विद्यापतिश्च नहन्नागमति ॥ सुमसयिमथानत्रि ॥ ५ ॥
१ गग ॥ सोत्रि ॥ ॥ वसिश्चसिवः मयताकवात्तनः किनि
विकत्रियमनत्रायः यत्रनहि सर्वत्रः विषियथमागयः
गुनगउत्तचनुनजायी ॥ १ ॥ स्वत्यागकानियभीवः हत्रक

वधवः प्रिष्ठत्रलगीयाकत्रहोरागमः वसहधूत्रंनत्रः ॥
द्रुशातावः यावत्रष्टुत्तसतिगंग ॥ १ ॥ निनधनिऊनवात्रः
सकउपहासः नहिभ्रायनभ्रनूकंम्याः त्वहसिवयावतः
भाषधनुत्ररुतः हत्रिकेलाः त्रुत्तचम्या ॥ ३ ॥ हनयविः
द्यापतिः सुनहमसात्रः रुनिकयत्ततात्रसुवाः नाहत्रिह

१०८॥ सप्तमः ॥

अनपतिः स्वकागतिः नाना ॥ गोविन्दति हन देवा ॥ ४ ॥ ५ ॥
१०८॥ कद्रु ॥ ५ ॥ वैभ्रमभयाभिवहाः हात्र वधरुति
कार्त्तकद्रुतः साहं गरुभातिकानकद्रुत ॥ विनिनयनह
नहाः हात्र उमन्नाविकनरुटाः साहं भूउत्र जीवनागसूसा
नि ॥ १ ॥ वसहचधत्रवत्रहाः हात्र वाघच्छाताः अत्र ननूसात्रि
रसात्री सत्रराज भूवहा अत्र यमिखसयनागसं सत्र खत

गोविन्दति हन देवा

विधिक्वित्ति हनहा अत्र रुगद्रुति धूर्विलिखल
सत्रहा ऊहत्रहाः हात्र वधयह विपललिखतः हात्र विभूः
त्रदम्बत्र विपललिखत ॥ २ ॥ हनयवि द्यायति हाः हात्र चोः
कचाहि हानहि शोगी ॥ थिकत्रित्वननाथः हानहि शोगी ॥ ३ ॥
१०८॥ स्याम ॥ यत्रिमां ॥ धूमि रस्वसतां माहादवसा
मि ॥ कृतिगय वसहा रुति (गना गत्रिः ॥ भिवकचत्रितः

१०८॥ सप्तमः ॥

श्वसहयनाथ यित्ताते मलादतिहा ॥

गोविन्दति हन देवा

तृ२

विद्या कूति (गोत्रि) ॥ १ ॥ हनिमंरुल (गोत्रा) दहन उक्तायि
॥ न्यननहनमिव वाद्यकालाविष्कायि ॥ २ ॥ नंरुललः
(गोत्रा) दहनयतायि ॥ न्यननहनसिव वितुनिच धायि
॥ ३ ॥ चिलकलयून (गोत्रा) दहनयतायि ॥ न्यननहनसि

२८ मित्रनिस्वयि ॥
वःलंगचयायि ॥ ४ ॥ हनिवर्तुपान (गोत्रा) दहनयथायि
॥ न्यननहनसिवः धनुचयायि ॥ ५ ॥ हनयविद्यापनिः
सूनहलवानि ॥ अहिसिवथिकनहःप्रित्वनयानि ॥ ६ ॥
१ नाग ॥ दियक ॥ ७ ॥ दूमिधूमिस्वसथिमाहादवधः
मि ॥ उथिउथि (गोत्रि) सिवथिगगमानि ॥ ८ ॥ वसहवि

दत्रि (गलः) नतल तू दं मा ला ॥ रु नि (गलः) हा माः खतल वा घ
 छा ला ॥ १ ॥ निद डान नत न (गलः) य हा ग व दि ना गी ॥ सित्र
 भु त्र म सि व हः न य न व त श्र नि ॥ ३ ॥ ह न य वि द्या प नि सु न रु
 मा त ॥ डान हि उ म ता त्रि तू व न दाना ॥ ४ ॥ १ ना ग व स नं ॥
 य ॥ सि व दं म तू श्र नि प द य य वी ॥ व य त्री व य त्री ना ह न्रा वः

हसिवाद्यमद्रुदिमिदिमिर्मन् ॥ वात्रयवाभात्रनीदनसाः
ययकीतात्रनाचनगीर्त्त ॥ १ ॥ मथातीत्राज्ञतासिवाः गत्रा
थद्रुद्रमाला ॥ पसुत्रयसुत्रतांगचिवावियः अधनयवाः
द्यच्छाला ॥ २ ॥ हमात्रवादी न्रुआवहामिथः छीनिलवभाय
वासी ॥ सुषिदसुपाचमिलिक्कुमिक्कुभावाहनस्वर्गनागत

एकशतशतानि सिद्धिः ॥

हसी ॥ ३ ॥ एनयविद्यापति सुनिय (लो) ना सामिननिंदिय
माता ॥ ॐ हं महं भवत रुगन ॐ भवत हं भुति मूळ गिदाता ॥ ४ ॥
१ ग ॥ वसुक्त ॥ २ ॥ कत नं आत्रि सिंदूर हनिनः हं सम
हं वी कान् ॥ वसुक्त सति मा रुत मू साः चानू दू पन्य ना
॥ १ ॥ दिमि रुक नं दं वनू वा र्जं सं कृ न श्वत स रुग ॥ सिंदूर

हं सम उ दू व श्वदाः च क हि दि व स ना ॥ २ ॥ स ज हं सिं
दूर हं सः स ना सा तिः न क हि हं न त्रि (लो) त्रि ॥ ॐ स न हं सम
ना ना यन पी यन व स ह वा नि ॥ ३ ॥ ग नू द वा हा न च स नाः
ना यनः व स ह च धू म हं स ॥ एनयविद्यापति व दू व वं गति
हं म थू सा क न दं स ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१॥ नाग ॥ ॥ य ॥ सिवः हात द्यन द्यन्य चूड नू वा रुयः
मान्य २ हा सिवा न ॥ नंग नह मा ता अ के स्थ ना च हः ॥ का
खय हस म आ नि ॥ १ ॥ अह मह भव न मा ह न सा ग नः च द म
निक रु का न ॥ सि धी सि ध्म भव नि कू ड म मा त लः वा हा न व स
ह च का न ॥ २ ॥ सिवः ह न व न लः ता ल व न आ य न चि हिः

२॥ दि गी त ग म ॥ दि मि कि रु द म्ब नू वा रु यः ना च ह स क न ल
ता ॥ ३ ॥ सिवः ह न य वि द्या य ति भु न पा न व तिः स्वा मि के नाः
वा ल मं ता ॥ ता ह न भ म मि रु ग न वू भव नः ह नु ति मू ग नु ति य ता ॥ ४ ॥
१॥ नाग ॥ वि हा स ॥ ॥ प थ म श्री ती रू त ग न वं ग मा व नः
रु वं ग न ग ह क ती ना । ए त शी व न पू नू प न नि न भ्रा उ त

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

:कवननहयचयचना ४॥ सुन्दरिवचन कयन १॥ वधान
 तोहसनिनात्री, हमरु नरुक्तलयलन १४॥ नृपगुन शोवन
 ताव साहावनः शोवमदन श्राधि कात्रिः दिनदस शोवन थ
 त्रिपनायन, सुकल रुगत पत्रचात्रि ४॥ विद्यापतिक हतनी
 : राषहः पत्रनपथाधनरुः दिनदिन हसुषिने सुनहाय

वहघसिनाद्यानक मूर ॥ १॥ १॥ नाग ॥ वनात्रि ॥ ची ॥ व
 धवाह नंगनसिया ॥ नतह रुवसिद खितनह विदूसिया ॥
 १॥ मागिचाहि नलसिबनु आयकषासिया ॥ ह नकचनितसि
 बकचनितदविहासयवनलसिया ॥ २॥ छाल अल छाप
 सिवगि हवसिनयसिया ॥ मिथि लरुनक नयननात्रिवितसि

१॥ वनात्रि ॥ ची ॥ व

२५॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

या ॥ ३॥ एनयविद्यापतिः न ह न प सिया ॥ अन हि वृधधि
कषि ह अन्या न सिया ॥ ४॥ १॥ नाग ॥ धनाश्री ॥ ॥ हा
रुनि रीवथ सय पंचासः सह ग्रम निनय निषय थः भा न दूति
नि कि भास ४॥ समये लग्न भाद्यवति सुवः कि द दू न रु न धा न
४॥ न रु नि लग्न ति व न ला धवः तथि दू कि उ य का न ४॥ सि सि सु

माय त्रि समय पायवः तथि दू कि उ य का न ४॥ वित न रु चि
न रु न हि वि त्रि चयः कि रु ल या व न कं त ४॥ न रु न ग रु त न रु न
त्रि न रु ना धियः मा गी य मा मि ष्य ल स ४॥ तथि दू न रु न क न रु न
गी न रु न रु न रु न क न रु न ४॥ एन विद्यापतिः न ह न रु वतिः
वु अ न रु क उ क उ रु न ४॥ ॥ १॥ नाग ॥ धनाश्री ॥ ॥ हा

३ भा. ध. व. न. म. न.

१ राग ॥ धनाश्री ॥ ॥ माधव नृवंश दशवनिमतिहिनिः
वसतिविदसः सद्यः सुनयथावधिः केशुकयतिवतिवृज्जवाः
ना ॥ १ ॥ तुहविनू सुन्दतित्रे सुनिदस्वीव ॥ ३ सुनित्रसिजायः
न्याना ॥ २ ॥ सात्रगसुवदमदन नृधिकायन ॥ दिनदिनं ह
त्रिषिनी ॥ ३ ॥ चात्रिपहननिस्त्रिरेसिगमाउन ॥ नृपननद

२ नमो नमो ॥

शोबनोहि ॥ ४ ॥ केशुकयधयि नरुधनवमाधव ॥ विपत्रि
निकासकभाहि ॥ ५ ॥ लनयीविद्यापति सुनावनवात्रिः मय
न्यायनरुत वासा ॥ वगीनन्यायनरु विरंवननायह ॥
हशोवतिकनहिनासा ॥ ६ ॥ १ राग ॥ विजय ॥ ७ ॥ न
मानमाः दविदूनिननिषंदिनि ॥ सकनरुगनगनिः गीत्रिद

हनमनहि गोत्रम्भनः श्रायन शोवन दिनचात्रिग्रह का केन क
 न दान् ॥ सत्य शोत्र वनाधन शोत्रहि हायतः निधन हा श्रुत श्रा
 न् ॥ दानयुं भो शोत्रहि हायत कविः विद्यापति लान ॥ ५ ॥
 एतावता ॥ श्रायन चरि ॥ श्री ॥ वाराणसी धूनियाः राजा रां गाहा
 नं नंगु साहि ॥ कद्रुकासिः विद्युदिन्याः कद्रुकायादि भधा ।

नाः केद्रवस्तुलाकाचक उचित्रनहिः केद्रुकायानयना ॥ १ ॥
 केद्रुकायानयना ॥ १ ॥ केद्रुकायानयना ॥ १ ॥
 नाकाचकयसनीनहिः केद्रुकायानयना ॥ २ ॥ केद्रुकायानयना ॥ २ ॥
 तुलाकाचकयसनीनहिः केद्रुकायानयना ॥ ३ ॥ केद्रुकायानयना ॥ ३ ॥

गोबमरु

[illegible]

रुदिमि मं नल गलेन दण्डात् संविद्वित्तिता ध्रवाद्यज
ला ॥ पुनः प्रवृत्तौ यद्भवत्यत्र तद्ध्र ॥ चन्द्रललान्न
टाव्यहन् ॥ तना सुकीर्तिदबभ्यान्ननिग्राउच ॥ संप्र
जापार्च ॥ ॥ कुरु ॥ दधिरवाभीसंगनुग्रहात्
॥ ह्रीं श्रीं वा १ नूत्रा नैराज अनिविया उच ॥ कुरु ॥ हनय वि